



21/1
21/9

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 21, 1984 (माघ 1, 1905)
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1984 (MAGHA 1, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची	पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	59	
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	65	
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	—	
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	91	
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	
भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	
भाग II—खंड 3—उप-खंड(i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	
भाग II—खंड 3—उप-खंड(ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*	
भाग II—खंड 3—उप-खंड(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*	
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*	
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1165	
भाग III—खंड 2—पेटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	29	
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	3	
भाग III—खंड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	687	
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	13	
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के घांके को दिखाने वाला अनुपूरक	*	

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	59	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	65	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1165
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	91	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	29
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	3
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	687
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	13
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1984

सं० 1-प्रेज/84-शुद्धिपत्र—“महावीर चक्र का बार” प्रदान किए जाने से संबंधित दिनांक 12 फरवरी, 1972, के भारत के राजपत्र के भाग I, खण्ड 1, में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 22-प्रेज/72, दिनांक 20 जनवरी, 1972, में निम्नलिखित शुद्धि की जाती है:—

पृष्ठ 1 में

क्रम संख्या 1

ब्रिगेडियर अरुण श्रीधर वैद्य, एम० वी० सी० ए० वी० एस० एम०, (आई०सी०-1701) के प्रशस्ति-पत्र में पंक्ति 6 में “देहिरा” शब्द के स्थान पर “देदूरा” शब्द पढ़ें।

[सु० नीलकण्ठन, राष्ट्रपति का उप सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 जनवरी 1984

आदेश

सं० 27/26/83-सी० एल० II —कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप-धारा (1), खण्ड (II) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री वी० एस० राव, उप-निदेशक (निरीक्षण), कम्पनी कार्य विभाग को कथित धारा 209 क के उद्देश्य के लिये प्राधिकृत करती है।

के० आर० ए० एन० अय्यर, अवर सचिव

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1983

संकल्प

विषय : तरक्की—ए—उर्दू बोर्ड का पुनर्गठन

सं० एफ 15-19/83 डैस्क— III (भाषा)—1. तरक्की—ए—उर्दू बोर्ड की सरकारी संकल्प संख्या एफ० 6-41/69 आ० वि०— II द्वारा केन्द्रीय बोर्ड के रूप में 1969 में गठित किया गया था। बोर्ड का दिनांक 3 जनवरी, 1974 के सरकारी संकल्प संख्या एफ 15-46/73 भा० 1, के द्वारा स्थाई केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड के रूप में पुनर्गठन किया गया था। अन्य शैक्षिक संस्थानों के सादृश्य उपरोक्त संकल्पों का अधिक्रमण करते हुए बोर्ड के दिनांक 10 नवम्बर, 1978 के संकल्प संख्या एफ० 15-4/77 डैस्क—III (भाषा) के द्वारा स्थायी केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड के रूप में दोबारा पुनर्गठन किया गया। बोर्ड की संख्या संरचना में भी दिनांक

19 अगस्त, 1983 के संकल्प संख्या एफ० 15-13/80 डैस्क—III (भाषा) के द्वारा संशोधन किया गया था। बोर्ड की संरचना में किए गए विभिन्न परिवर्तनों को देखते हुए, सरकार उपरिलिखित सभी चार संकल्पों का अधिक्रमण करते हुए एतद्वारा बोर्ड का पुनर्गठन करती है। बोर्ड को तरक्की—ए—उर्दू बोर्ड ही कहा जाता रहेगा।

2. उद्देश्य : आर्थिक अथवा विशेष प्रगति के लिए क्योंकि यह आवश्यक है कि लोगों को घर में बोली जाने वाली भाषा के आधुनिक शब्दावली का ज्ञान कराया जाए अतः इसके लिए बोर्ड उर्दू जानने वाले लोगों को उर्दू में अच्छे तरीकों से जानकारी उपलब्ध कराने, वैज्ञानिक तथा तकनीकी मामलों की जानकारी, आधुनिक विषयों के संदर्भ में विकसित विचारों का ज्ञान कराने में सरकार को सलाह देगा।

बोर्ड अन्य बातों के साथ-साथ, अपने सदस्यों में उर्दू जानने वाले विख्यात अध्येताओं को शामिल करेगा। बोर्ड में—उनकी उपस्थिति का लाभ सरकार द्वारा ऐसे शैक्षिक मामलों में, जो उसे भेजे जाएंगे बोर्ड की सलाह प्राप्त करने के लिए उठाया जाएगा।

3. कार्य:—

बोर्ड के कार्य निम्नलिखित हैं:—

(क) सरकार को इन मामलों में सलाह देना :

- (i) उर्दू में अन्य प्रकार के साहित्य के साथ-साथ शैक्षिक साहित्य तैयार करना जिसमें विज्ञान तथा बच्चों के साहित्य की आधुनिक जानकारी की अन्य शाखाएं भी शामिल हैं। विश्वकोष सन्दर्भ की कृतियां, मूल पाठ्य पुस्तकें आदि पर साहित्य तैयार करना; और
- (ii) ऐसे शैक्षिक मामले, जो उर्दू की प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित हों; और जो कि भेजे जाएंगे और;

(ख) समय-समय पर सरकार द्वारा उर्दू की प्रौद्योगिकी के लिए बोर्ड को सौंपे गए ऐसे ही कार्य आरम्भ करना।

4. संरचना : तरक्की उर्दू बोर्ड में निम्नलिखित शामिल होंगे:—

- (i) अध्यक्ष : केन्द्रीय शिक्षा मंत्री
- शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय पदेन
- (ii) उपाध्यक्ष : भारत सरकार द्वारा नामित किया जाएगा।
- (iii) विभिन्न विषय संकायों से छः उर्दू अध्येता।
- (iv) उर्दू भाषा तथा साहित्य के दो अध्येता।
- (v) बच्चों के लिए उर्दू साहित्य का एक अध्येता।

- (vi) अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का नामित व्यक्ति ।
- (vii) निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद
- (viii) अध्यक्ष सी० एस० टी० टी० (वै० तथा तक० आ०)
- (ix) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक के द्वारा नामित व्यक्ति (उप-सचिव के पद से कम नहीं) ।
- (x) निदेशक केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान ।
निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ।
निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा तथा निदेशक, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, निदेशक, केन्द्रीय अंग्रेजी तथा विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद ।
- (xi) उन राज्य सरकारों के दो प्रतिनिधि जहाँ कुछ लोगों द्वारा उर्दू बोनी जाती है तथा राज्यों का चयन भारत सरकार द्वारा बारी-बारी से किया जाएगा ।
- (xii) शिक्षा सचिव, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय ।
- (xiii) विशेष सचिव (उच्च शिक्षा) शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय
- (xiv) वित्तीय सलाहकार शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय ।
- (xv) निदेशक, उर्दू प्रौद्योगिकी ब्यूरो—सदस्य सचिव ।
बोर्ड के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष होगा ।

बोर्ड के उपाध्यक्ष तथा सदस्य भारत सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे ।

वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के नामित व्यक्ति केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान के निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के निदेशक, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के निदेशक, केन्द्रीय अंग्रेजी और विदेशी, भाषा संस्थान, हैदराबाद के निदेशक और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक के नामित व्यक्ति बोर्ड के पदेन सदस्य होंगे ।

पदेन सदस्य तब तक बोर्ड के सदस्य रहेंगे जब तक वे उस पद पर बने रहेंगे जिस के कारण वे पदेन सदस्य हैं ।

उर्दू प्रौद्योगिकी ब्यूरो के निदेशक बोर्ड के सदस्य सचिव होंगे ।

यदि बोर्ड के किसी सदस्य के त्याग पत्र मृत्यु आदि के कारण बोर्ड में कोई स्थान रिक्त होता है तो उस रिक्ति पर नियुक्त सदस्य दो वर्ष की अवधि तक पद पर बना रहेगा ।

5. बैठकें । बोर्ड की वर्ष में कम से कम एक बैठक अवश्य होगी । जब भी आवश्यक समझा जाएगा बैठकें आयोजित की जा सकती हैं ।

6. सचिवालय : उर्दू प्रौद्योगिकी ब्यूरो बोर्ड के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा ।

7. विषय तालिकाएं/कार्य दल/उप समितियां : बोर्ड को अपना कार्य करने के लिए जैसा भी आवश्यक हो, विषय तालिकाएं कार्य दल/उपसमितियां गठित करने के अधिकार होंगे ।

8. स्थायी समिति : बोर्ड, अपने कार्य को शीघ्र निपटाने के लिए संकल्प द्वारा बोर्ड के अध्यक्ष की अध्यक्षता में

एक स्थायी समिति गठित कर सकता है । स्थायी समिति के सदस्य, बोर्ड के सदस्यों में से ही बनाए जाएंगे । तथा बोर्ड और समिति को, विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों को सहयोजित करने का अधिकार होगा ।

स्थायी समिति की बैठक बोर्ड द्वारा यथानिर्दिष्ट समय पर प्रातः बुलाई जाएगी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपियां, तरक्की ए उर्दू बोर्ड के सभी सदस्यों, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय, अनुदान आयोग के अध्यक्ष, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राष्ट्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के अध्यक्षों, सभी कुलपतियों, प्रधान मंत्री के कार्यालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय और भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाएं ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए ।

आर० के० शर्मा, संयुक्त शिक्षा सलाहकार

संस्कृति विभाग

नई दिल्ली दिनांक 29 दिसम्बर 1983

सं० एफ० 1-10/83 सी० एच० डेस्क—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबन्ध राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद के कर्मचारियों के लाभ हेतु स्थापित भविष्य निधि पर लागू होंगे ।

सं० एफ० 1-10/83 सी० एच० डेस्क—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिनियम, की अनुसूची में निम्नलिखित सार्वजनिक संस्था का नाम जोड़ती है, अर्थात् —

“राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद” ।

अबुल हसन, उप शिक्षा सलाहकार

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011 दिनांक 22 दिसम्बर 1983

(पुरातत्व)

सं० 23/1/83-उ० अ०—इस कार्यालय की तारीख 13-12-83 की 23/8/81 उ० अ० संख्या अधिसूचना के अधिकरण में एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि वेल्हा गोवा स्थित संत क्रॉसिस डि असीसी चर्च (केन्द्र द्वारा परिरक्षित संस्मारक) के उपभवन में स्थित पुरातत्वीय संग्रहालय तारीख 1-1-1984 से आम जनता के लिए पुनः खोला जा रहा है ।

(श्रीमती) देबला मित्र
महानिदेशक एवं पदेन संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1984

सं 83/ई (जी.आर.) 1/1/7—यात्रिक इजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1984 में की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2 परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के सत्र में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जाएगा।

3 संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग में ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4 उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा निव्वनी शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा में पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व टंकांगानिका और जंजीबार पूर्वी अफ्रीकी देशों से या जाबिया, मलावी, जर्से, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आय 1 जनवरी 1984 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1964 से पहले और 1 जनवरी, 1968 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आय सीमा में निम्नलिखित मामलों में ढील दी जा सकती है—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका में वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्त किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका में वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्त किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(6) यदि उम्मीदवार बर्मा में वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा में वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(8) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा में मक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(9) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा में निरस्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास नियतकाल में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात काल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम में जलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उनके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

- (11) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और विद्यतनाम से वस्तुतः प्रत्या-
वर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पासपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास विद्यतनाम से भारतीय राज-
दत्तावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का पत्र प्राप्त हो और जो विद्यतनाम से जलाई, 1975 के तार भारत गया है तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीर्तिना, उपाधि और तंजाविया के संयुक्त गणराज्य (भारत में शामिल और जमींदार) में प्रवासित किया हो या जाविया, मालावी, जैर और दक्षिणोपिया में पत्रावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (13) यदि उम्मीदवार आसमिन जाति या अनुसूचित जन-
जाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्या-
वर्तित व्यक्ति हो और कीर्तिना, उपाधि या तंजा-
विया संयुक्त गणराज्य (भारत में शामिल और जमींदार) में प्रवासित हो या जाविया, मालावी, जैर और दक्षिणोपिया में भारत मूलक पत्रावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अप-
भारतीय सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) को पहली जनवरी 1984 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर वरगण या सैनिक सेवा से हट्ट शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमत्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमत्त हुए हैं (उनमें वे भी शामिल हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1984 से छ महीने के अन्दर पूरा होता है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधि-
कारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अप-
भारतीय सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1984 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक-सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर वरगण या सैनिक सेवा से हट्ट शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमत्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमत्त हुए हैं (उनमें वे भी शामिल हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1984 से छ महीने के अन्दर पूरा होता है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।
- (16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्त-
विक निवासी व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत परजन कर चका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (17) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-
जाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक निवासी व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के

दौरान भारत परजन कर चका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आय-सीमा से छूट नहीं दी जा सकती है।

6 उम्मीदवारों में—

- (क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या संस्थान में उच्च शिक्षा या समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो,
- (ख) किसी शिक्षा की 10⁺2 प्रणाली के अन्तर्गत हायर सेकेंडरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो या
- (ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या समकक्ष उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की प्राप्ति सेवाओं में तीन वर्ष के निम्नोपा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (मद्रास के कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार-वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रोन्सि के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिन्में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।
- जिन उम्मीदवारों के तीन-वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से एक विषय के साथ पास की हो वे आदेश पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा की गई हो, या
- (घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पाठ्यक्रम परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या
- (ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाद की गई हो प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो, या
- (च) किसी विश्वविद्यालय के पांच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो वे भी आदेश पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा की गई हो, या

(छ) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी(1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालयों/बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न दी गई हो उन्हें भी शैक्षणिक दृष्टि से पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तांकों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

टिप्पणी(2)—कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उसे नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र दे सकता है। ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा, लेकिन उसके प्रवेश को अंतिम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा का पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 17 अगस्त, 1984 तक पेश नहीं करता तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी(3)—आपवादिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएं हों, जिसके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

टिप्पणी(4)—जिन उम्मीदवारों के पास राज्य तकनीकी-शिक्षा-बोर्ड द्वारा दिए गए इंजीनियरी डिप्लोमा है वे स्पेशल क्लास रिलेवे अप्रेंटिस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हैं।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस के पैरा 5 में विनिर्दिष्ट फीस दे।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नोकरी में आकास्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिवर्चन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (5) असुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हो; या
- (8) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुरुव्यवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (11) परीक्षा की अनुमति दाने हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो; अथवा
- (12) उपर्युक्त वाक्यांशों में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवशरीरित करे, जैसा भी मामला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकती है :—

(ख) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है, अनर्हक घोषित किया जा सकता है; या

या

(ख) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकता है :—

- (1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या चयन से;
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और

- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यास-वदन पर, यदि कोई हानि, निचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतनी न्यूनतम अंशक अंक प्राप्त कर लेंगे, जिनमें आयोग स्वविवेक में निर्धारित कर, उन्हें आयोग परीक्षा परीक्षा हानि साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अंतिम रूप में दिए गए कृत्यों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों को एक सेवा बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों को, जिन्हें आयोग परीक्षा में अंशक समझे, उतनी आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी जिनकी रिक्तियों का परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित जिनकी रिक्तियों सामान्य स्तर के आधार पर भरने में रहे जाएं, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर को शिथिल करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है भले ही परीक्षा में योग्यताक्रम के अनुसार उनका स्थान कहीं भी हो बशर्तें कि सेवा में नियुक्ति के योग्य हो।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल किस रूप में और किस ढंग से भजी जाए, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उम्मीदवारों में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में सफल होने में तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिलेगा जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इस बात में संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पर्ववर्तन का न्याय में रहते हुए सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त हो।

16. उम्मीदवारों के लिए आवश्यक है कि वह मानसिक और शारीरिक दृष्टि में पूर्णतया स्वस्थ हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके कारण सेवा के अधिकारी के ताने उसके कर्तव्य पालन में बाधा पड़ने की सम्भावना हो। जो उम्मीदवार सभी आवश्यक परीक्षा के बाद जैसा कि सरकार या नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी जैसी स्थिति हो, विनिर्दिष्ट कर इस आवश्यकता को पूरा नहीं करता, उसे नियुक्त नहीं किया जाएगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरों परीक्षा दी जाएगी जिनकी नियुक्ति के बारे में विचार होने की सम्भावना है। डाक्टरों परीक्षा के समय उम्मीदवारों का सर्वांगीण चिकित्सा मूल्यांकन को रु. 16.00 (रुपये सोलह) फीस देने होगी।

टिप्पणी — उम्मीदवारों का किसी प्रकार की निगरानी नहीं होगी, इसके लिए उन्हें गलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरों परीक्षा होगी और इसमें उनमें किस स्तर की अपेक्षा की जाएगी, इसका

व्योरा इन नियमों के परिशिष्ट 11 में दिया गया है। अपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के संबंध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन मानकों में छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने एसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की सविदा की हो, जिसकी एक पत्नी/जिसका एक पति जीवित हो अथवा

(ख) जिसने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की सविदा की हो,

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में संतुष्ट हो कि ऐसी व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली शीघ्र विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनर्था है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के लिए अप्रेंटिसी की शर्तें परिशिष्ट-111 में दी गई हैं। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट IV में दिए गए हैं।

ए. जैहरी, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट—1

(दिए गए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी—

भाग 1—नीचे दशाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों को लिखित परीक्षा।

भाग 2—व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (दिए गए नियम 12)।

2. भाग 1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे—

क्रम सं०	विषय	कोड सं०	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1	अंग्रेजी	01	2 घंटे	100
2	सामान्य विज्ञान	02	2 घंटे	100
3	भौतिकी	03	2 घंटे	100
4	रसायन विज्ञान	04	2 घंटे	00
5	गणित I, (बीज गणित, प्रारम्भिक विस्तारकलन, त्रिकोणमिति और विश्लेष- णात्मक ज्यामिति)	05	2 घंटे	100
6	गणित II (कलन अन्तर तथा समाकलन और यांत्रिकी स्थैतिकी तथा गतिकी)	06	2 घंटे	100
7	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घंटा	100
				योग 700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में कवच "वस्तुपरक" प्रश्न होंगे, नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (उपावध-11) के साथ लगी उम्मीदवार "सूचना पत्रिका" देखें-

4. प्रश्न-पत्र में जहाँ आवश्यक हों केवल माप व तेल की मीट्रिक प्रणाली में सम्बन्ध प्रश्न दिये जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इंटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ में लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पत्रिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर्स का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं. 01)—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं. 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्नों के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश

जीवन का विकास पौध और पशु, वंशागत और परिवेश अन-वंशिकी प्रकृष्ट क्रोमोसोम उत्पत्ति।

मानव शरीर की जानकारी—पोषाहार, संतुलित भोजन, प्रतिस्थायी खाद्य महामारियों और सामान्य रोगों की रोक-थाम सहित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। वातावरणीय प्रदूषण और उसकी रोक थाम, खाद्य अपशिष्ट, खाद्यान्नों और उनमें निर्मित उत्पादों को सही प्रकार में स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या नियंत्रण, खाद्य और कच्चे माल का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संप्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान खाद और उर्वरक, फसल रक्षण उपाय, अधिकतम किस्मों और हरित क्रांति, भारत के मुख्य अनाज और नकदी फसल।

सौर परिवार और पृथ्वी। ऋतुएं, जलवायु, मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट (चक्रवात, तूफान, बाढ़, भूकम्प, ज्वालामुखी उद्गार)। पर्वत और नदियाँ और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। प्राकृतिक साधनों का वितरण और भारत में उद्योग। तेल सहित भूगत खनिजों की खोज। भारत के वनस्पति जात और प्राणिजात के विशेष संदर्श के साथ प्राकृतिक साधनों विनियम। भारत का इन्होम, राजनीति और समाज।

जयदिक, महावीर, बुद्ध, मौर्य, शुंग, आन्ध्र कुशान, गुप्त काल (मौर्य कालीन सतम्भ, स्तूप कदराएँ, सांची, मथूरा और गवर्ध विशालय मंदिर वास्तुकला, अजंता और एलोरा)। इस्लाम के आने के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद से पूंजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम।

भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएँ—लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अवसर और एकात्मता की संसदीय प्रणाली प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएँ—लोकतंत्र, समाजवाद साम्यवाद और अहिंसा के गांधीवाद विचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गट, लोकमत और प्रेस, चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गूट निरपेक्षता—शस्त्र निर्माण रोक, शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ—जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तनों और दृष्टिकोण अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएँ—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संक्रमण।

श्रम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता, सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और सजा कला, कानून, रीति-रिवाज, गतत प्रचार, लोकमत सामाजिक नियंत्रण की विशेषताएँ—परिवार धर्म राज्य शैक्षिक संस्थाएँ, सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकीय, जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विघटन

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में भ्रष्टाचार, यूवक अशान्ति, भीख मांगना, औषध अपराधवृत्त और अपराध, गरीबी और तंगेजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय साम्प्रदायिक विकास का कल्याण और श्रमकल्याण ; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

जन कल्याण, मूल्य, जनसांख्यिकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर आर्थिक कारण, संतुलित वनाप असंतुलित विकास, कृषि वनाप औद्योगिक विकास स्फूर्ति और साधन जुटाने के सम्बन्ध मूल्य स्थिराकरण समस्याएँ, भारत की पंच-वर्षीय योजनाएँ।

भौतिकी (कोड सं. 03)

वर्गियर, स्कूगोज, स्फ़ीरोमीटर और आप्टीकता लीवर का प्रयोग करते हुए लम्बाई की माप।

समय और द्रव्यमान का माप।

मरल रॉषक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच सम्बन्ध।

न्यूटन के गति के नियम : संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति।

घर्षण गुणांक

बल क्रिया के अन्तर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आवर्णः युगवत् न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत। पलायन वेग। गुरुत्व के कारण त्वरण।

द्रव्यमान तथा भार। गुरुत्वकेंद्र। एक समान चक्रीय गति अभिकेंद्र बल। सरल आवर्त गति। सरल लोलक।

द्रव में दबाव और इसकी विभिन्न गहराइं। पास्कल का नियम। आर्कमिडीज का सिद्धांत। तैरने वाले पिण्ड। परिवेशी दबाव और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तापीय प्रसार। गैस नियम और परम ताप। विशिष्ट उष्मा। गूत उष्मा और उनकी माप। गैसों की विशिष्ट उष्मा। उष्मा का यांत्रिक समकक्ष। आंतरिक ऊर्जा और उष्मागतिकी का पहला नियम। समतापी और रुद्धोष्म परिवर्तन।

उष्मा संचरण : तापीय चालकता।

तरंग गति अनुदैर्घ्य और अनुप्रस्थ तरंगें। प्रगामी और अप्रगामी तरंगें। गैस में ध्वनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनुनाद परिघटना (वायु स्तम्भ और रज्जु)।

प्रकाश का परावर्तन और आवर्तन। वक्र दर्पणों और लेंसों द्वारा चित्र रचना। सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दोष)।

प्रिज्य :—विचयन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन। दृश्य स्पेक्ट्रम।

छड़ चुम्बक का क्षेत्र। चुम्बकीय आवर्ण। भूचुम्बकीय क्षेत्र के तत्व चुम्बकत्वमाप। डाय, पैरा और फेरी चुम्बकत्व।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव : कोलम्ब नियम।

विद्युत धारा :—विद्युत सेल, ई. एम. एस. प्रतिरोध : एमीटर और वोल्टमीटर। ओहम का नियम : नियम : श्रेणी और समान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता धारा का तापन प्रभाव।

व्हीस्टोन ब्रिज, विभवमापी।

धारा का चुम्बकीय प्रभाव : सीधे तार का डली और सोल-नायड :—विद्युत चुम्बक; विद्युत घंटी।

चुम्बकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल; चल का डली-धारा मापी; एमीटर या वोल्टमीटर में परिवर्तन।

धारा के रासायनिक प्रभाव : प्राथमिक और स्टोरेज सेल में उनकी क्रियाविधि विद्युत अपघटन के नियम।

विद्युतचुम्बकीय प्रेरणा, सरल ए. सी. तथा डी. सी. जनित्र। ट्रांसफार्मर, अपघटन, कांडली।

कैथोड किरणें, एलेक्ट्रान की खोज, परमाणु का बोहर मॉडल। डायोड और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग।

एक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग।

विघटनात्मिकता :—एल्फा, बीटा और गामा किरणें।

नाभिकीय ऊर्जा, विखंडन और संलयन : द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन श्रृंखला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान (कोड सं. 04)

भौतिक रसायन विज्ञान

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूरा मॉडल। ब्रॉमिड मॉडल के रूप में परमाणु। कक्षाय परात्मकता। क्वांटम, संख्या और उनकी विशेषता; केवल आरम्भिक। अभिक्रिया। पाली का अपवर्जन सिद्धांत। इलेक्ट्रॉनिक विन्यास। अफनू सिद्धान्त एस. पी. डी. और एफ. ब्लाक तत्व।

आवर्त वर्गीकरण—केवल दीर्घ रूप। आवर्त और इलेक्ट्रॉनिक विन्यास परमाणु अनुपात। आवर्तक और ग्रुपों में विद्युत नकारात्मकता।

2. रासायनिक आवन्धन, इलेक्ट्रॉनेट, कोवलेट, कॉर्डिनेट, की बलेट बन्धन। जा. तथा एकस। बन्धनों के बन्धन गुण, जल, हाइड्रोजन, मलफाइड, मिथेन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार। मॉलिक्यूलर सम्बन्ध और हाइड्रोजन आवन्धन।

3. रासायनिक अभिक्रिया; ऊर्जा परिवर्तन उष्मा उन्मांची और उष्माशोषी। अभिक्रिया। उष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग। मिथन उष्मा संकलन की हूँम का नियम।

4. रासायनिक संकलन और अभिक्रिया की दरें। द्रव्य मान व क्रिया का नियम। दबाव के प्रभाव। तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (या चेटिलियर के सिद्धांत पर आधारित गणात्मक अभिक्रिया) आणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं। संक्रियमण का ऊर्जा परिकल्पन। अमोनिया और सल्फर ट्राइआक्साइड के निर्माण के लिए प्रयोग।

5. विलयन : वास्तविक विलयन कोलोइड विलयन और स्थगन। तन विलयनों के अणुसंख्य गणधर्म और विलान पदार्थों के अणु भार निश्चित करना। क्वाली विन्दुओं का उनयन। हिमांक अवसादन। आम्पेट दबाव। गल्ट का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया)।

6. विद्युत रसायन विज्ञान :—विद्युत अपघट्य। विद्युत अपघटन का कैराड नियम। आयनी गंत्यन। घुलनशीलता उत्पाद। प्रवल तथा क्षीण अपघट्य। अम्ल तथा बेस (लॉवल तथा वीनस्टाड की परिकल्पना) पी. एच. तथा उभय प्रतिरोधी विलयन।

7. आक्सीकरण अपचयन :—आधुनिकी इलेक्ट्रॉनिकी परिकल्पना और आक्सीजन अंक।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनात्मिकता :—नाभिकीय विखंडन और संलयन। विघटन शक्ति समस्थानिकों के उपयोग। अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों का संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकीय महत्वपूर्ण मिथण।

1. हाइड्रोजन : आवत तालिका में स्थित। हाइड्रोजन का संमस्थानिक मणात्मक तथा घनरत्मक विद्युति। जल, कठोर तथा मृदु जल; उद्योगों में जल का उपयोग। भारी पानी और इसके उपयोग।

2. ग्रुप I तत्व। सोडियम हाइड्रोक्साइड का विनिर्माण। सोडियम कार्बोनेट। सोडियम बाइकार्बोनेट और सोडियम क्लोराइड।

3. ग्रुप II तत्व। आश तथा ब्रजा हुआ चूना। जिप्सम। प्लास्टर ऑफ पेरिस। मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया।

4. ग्रुप III तत्व वीरुबम, एलुमिया और एलम।

5. ग्रुप IV तत्व। कोयला, लकड़ी तथा ठोस ईंधन। सिलिकेट, जॉलिटिस तथा अर्द्धमचालक। शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. ग्रुप V तत्व। अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का विनिर्माण। शैल फास्फेट और निरापद दियासलाई।

7. ग्रुप तत्व। हाइड्रोजन और आक्साइड, गंधक सल्फ्यूरिक अम्ल की उपरूपता। गंधक के आक्साइड।

8. ग्रुप VII तत्व ब्लािरन क्लोरीन का विनिर्माण तथा उपयोग। ब्रोमीन और आयोडीन। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल। क्लोचिंग पाउडर।

9. ग्रुप (उत्कृष्ट गैस) हीलियम और इसके उपयोग।

10. धातुकर्मिय संसाधन—तांबा, लोहा, एल्यूमीनियम, चांदी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट मन्दर्भ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियां। इन धातुओं की सर्वनिष्ठ मिश्रधातु; निकिल मैंगनीज, इस्पात।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्राहेड्रल स्वरूप। संस्करण और जी. एन. बन्धन तथा उनकी सापेक्षिक शक्ति। कल तथा बहु बन्धन। अणु का आकार। ज्यामितीय तथा प्रकाशीय समा-वयवता।

2. एल्केन, एल्कोन और एल्कलीन के तैयार करने के गुणधर्म और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियां। पेट्रोलियम और इसकी परिष्करण ईंधन के रूप में इसके उपयोग।

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन—

अनुनाद और एरोमैटिकता : बैन्जीन तथा नैथालीन और उसके सादृश्य एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं।

3. हैलोजीन व्युत्पत्तियां; क्लोरोफार्म कार्बन, टेट्राक्लोराइड, क्लोरोबैन्जीन—डी. डी. टी. और गेमवसीन।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण :—प्राथमिक और द्वितीय और तृतीयक एल्कोहल मिथानाल, एथनल, ग्लायरोल और फिनोल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। एलिफैटिक कार्बन अणु पर प्रपिस्थापन अभिक्रियाएं।

5. प्रथर :—डाइथाइल ईथर।

6. एलडीहाइड्स और कैन्टास। फार्मलडीहाइड। एसी-टोलीडीहाइड। बेंजेलडीहाइड, एसीटोन एसीटोफीनाल।

7. नाइट्रो यौगिक एमीन; नाइट्रोबैन्जीन : टी. एन. टी। एनीलीन डाइजोनियम यौगिक। एजोडाइज।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : फोमीक, एसीटिक बैनजोइक और सेलीसिलिक अम्ल, एसीटाइल सेलीसिलिक अम्ल।

9. एस्टर : इथाइलरोसीटेट, मिथाइल सेलीसिलेट्स, इथाइल बेंजोरे।

10. पालीमर्स : पालीथीन, टेजलान, पर्सपैक्स, कठिन रबड़, नायलन और पॉलिरटल लु।

11. कार्बोहाइड्रेट, वसा और ग्लिपीड्स, एमोनी अम्ल ग्लाइकोल विटामिन और हार्मोन्स की असंरचनात्मक अभिक्रिया।

गणित-1 (कोड सं. 05)

बीजगणित

अंक प्रणाली—वास्तविक अंक। पूर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्रारम्भिक अंक सिद्धांत—विभाजा, इलेगोस्थिम विधि। अभाज्य और संयुक्त संख्याएँ गुणित तथा गुणनखण्ड। गुणनखण्ड प्रमेय। महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। युक्लाडीन एल्मोस्थिम।

लघुगुणक और उनका प्रयोग

आधारी संक्रिया : सरल गुणनखंडन। बहुपदों का महत्तम, समापवर्तक, लघुतम समापवर्त्य। द्विघाती समीकरणों का हल, इसके हल और गुणों में सम्बन्ध।

भाजक एल्मोस्थिम।

सूचकों के नियम, ए. पी. और जी. टी. ज्यामितीय श्रृंखला और इसका आवर्ती दशमलव भिन्न में प्रयोग।

क्रमचय और संतोन्न। घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिए द्विपद परिमेय। सन्निकटन के लिए परिमेय सूचकों के लिए द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

युगपत यौगिक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनके हल। एक्स 1 एक्स 2 और एक्स 3 पर बाई के दिये हुए मूल्यों के लिये द्विघाती ब्रक बाई.-ए. बी. एक्स. सी. एक्स. 2 का संयोजन।

युगवत रेखिक असमिका (दो अज्ञात संख्याओं में) और उनका ग्राफ। 2×2 मैट्रिस और प्रारम्भिक संक्रिया। तत्समक आव्यूह। 3 से अधिक क्रम का आव्यूह निश्चयन का विषय।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समकल आकृति का क्षेत्रफल। घनों पिरामिडों, लम्बवृत्तीय बेलनों के आयतन और घरातल—शंकू और गोलक।

(उपर्युक्त अध्यायों में सम्बद्ध व्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे और आवश्यकतानुसार यथाचित सूत्र दिये जायेंगे।)

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में माप। त्रिकोण-मिति अनुपात। योग के सूत्र। कोणों के अपवर्त्य और अपवर्तकों के साइन की लाइन और टैन्जेंट। साइन की लाइन और टैन्जेंट का अवर्तिता और ग्राफ। सरल ऊंचाई और दूरी के सरल प्रश्न।

त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल।

ऊंचाई और दूरी के सरल प्रश्न।

विश्लेषक ज्यामिति

समतल में रेखा की समीकरण। प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण। दो रेखाओं के बीच कोण। समान्तर और लम्बीय रेखाएं।

दो सीधी रेखाओं की काटिशियन समीकरण।

वृत्त का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत्त के स्पर्शी और सामान्य समीकरण। दो वृत्तों के मूलाक्ष। वृत्तकुल।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिडलियां, निम्ब और कर्ण मापदण्ड के साथ लगें होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेन्स आफ दी हंड लेवल) हारिजेंटल वार (आड़ी छड़) के नीचे जायें। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटर में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्की-रियर एंगिल्स) के पीछे रहे और यह फीते की छाती के गिर्द के जाने पर (आड़े समतल उम्मी हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कर्णें ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84.89, 86-93 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें—अन्तिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह विज्ञो-ग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित विधियों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(i) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता एन-नामेलिटी का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों वथवा साथ लगी संरचनाओं (कान्तिग्लूम स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको शस्त्रीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (सेन्स ऑड विजन) की कोटि न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इसके आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

3—421GI/83

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जाएगी और उसकी दृष्टि सुतीक्ष्णता रेत बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थायी मलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

ध्यान दें—नीचे निर्धारित को, स्तर को, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करेंगे, उन्हें नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दृष्टि सुतीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	6/6 अथवा 6/9	6/1 6/9	2 अथवा जे०/1	जे०/1

टिप्पणी (1)

(क) मायोपिया (गिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी. जी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) हाइपरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल +4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्यक्षमता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

नोट (2)

कलर विजन—कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग की आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए इशिताहारों की प्लेटों और एडिज ग्रीन जैसी दोनों लैडर्न का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए तो लैटर्न में एपचर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. डारक (एपचर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

स्पेशल क्लास अप्रेंटिस के लिये रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

नोट (3)

दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कान्फ्रन्टेशन मैथड) द्वारा यूनित दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो जब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट (4)

रतौंधी (हाईट ब्लाइण्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नैमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी में दिखाई न देने की जांच करने के बाद लिए कोई स्टैण्डर्ड टेस्ट निर्दिष्ट नहीं है। मीडिकल बोर्ड को ही ऐसे मामलों में चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे गैंगली कन करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान कराकर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों को कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विश्वास किया जाना चाहिए।

नोट (5)

दृष्टि में तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशा (आवयलर कंडीशन)

- (क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बहुत ही अपवर्तन बूटी (रिफ्रैक्टिव एरर), जिसके परिणाम स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना है, लयंग्यता के कारण सम्भव जाना चाहिए।
- (ख) भ्रंशपन—जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भ्रंशपन लयंग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।
- (ग) एक आंख वाला व्यक्ति—एक आंख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट (6)

कान्टैक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जाती चाहिए। यह आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए उर्दीप अथवा की प्रतीक्षा 15 फुट कान्टैक्ट की प्रदीप्ति जैसी हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार को सम्बन्ध में किसी भी चीज की शिथिल करने की छूट सरकार को है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेकैनिम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम बन्दरज विधि निम्नलिखित प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+शामू होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+ आधी आयु का सामान्य ग्राफ प्रत्येक संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धवराहट (एक्साइजिट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला या इसका कारण बोर्ड कार्यालय (बैंगनीक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हवा का एक्सर और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाश (क्वियरंस)

का जांच को भी पूरी गौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

निर्धारित : पाँच बाले दाब मापों (मर्क्युरी मनीटर) किसी एक उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसी के व्यायाम या धवराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रेपी बंटा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बहुत शिथिल और आराम से हो। वह थोड़ी बहुत होरि-जेंटल स्थिति में रंगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देने चाहिए। दाब में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ भुजा के धन्दर की ओर रख कर और उसके निचले हिस्से को कंधे की मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप में लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर थोड़ा हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाह्य धमनी (कैफिकल आर्टरी) को दबा-दबा कर हटा दिया जाए और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेटो-स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम. एम. एम. जी. हवा भरी रहती है और इसके बाद इसमें धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक धनियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पाँच का कामम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है और जब हवा निकाली जाएगी तो और तेज धनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये सफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली धनियाँ हल्की दबी हुई सी लगने लगेंगी तो और तेज धनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रंगी के लिए क्षतिकारी होता है और इससे रीडिंग सतत होता है। फिर दोबारा पड़ताल करनी जरूरी है तो एक से से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर तक धनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गे" में रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गये मूत्र की भी परीक्षा की जाती चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जहाँ मेडिकल बोर्ड दो किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड उसको सभी परीक्षाओं की परीक्षा करेगा और सम्बन्ध (डायबिटीज) के दोष के चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज सेह (ग्लाइ-कोसूरिया) के शिवाय, अप्रतिम मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस वर्ग के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज सेह अमथुसेंटी (नान डायबिटीक) है और बोर्ड इन तैल को मेडिकल के किसी ऐसे निश्चित विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर ग्लाइसेमिक टेस्ट समान जाँ भी क्लिनिकल लैबोरेटरी परीक्षणों जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "असफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार को लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अंतर्गत के प्रभाव को समाप्त करने के लिए वह अम्मी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जाच के पारंपरिक माइ माहिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरंभ प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हॉरिंग एंड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबन्ध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क', तार यातायात सेवा ग्रुप 'ख', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्न-लिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती :

- (i) एक कान में प्रकट स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज अथवा पूर्ण बहुरापन, पदों पर नियुक्ति के लिए दूसरा कान सामान्य अयोग्य होगा।
- (ii) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज पदों दोष जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग) पर नियुक्ति के लिए अयोग्य। एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।
- (iii) सैट्रल अथवा माजिनल टाइप के कर्ण पटल न कोई छिद्र ठीक न हो तो अयोग्य किन्तु विश्रम घाव का निगान अयोग्यता का कारण नहीं माना जायेगा।
- (iv) कान के एक ओर दोनों ओर स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के पदों मस्टाइट कैबिटी से सबनार्मल के लिये अयोग्य। श्रवण
- (v) बहने रहने वाला आपरेशन तसर्नीकी और गैर-तसर्नीकी पदों किया गया/बिना आपरेशन किया के लिये अस्थायी रूप से अयोग्य गया।
- (vi) नासापुट की हड्डी सम्बन्धी विपमताओं (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों (बोर्न डिफामिटी) सहित अथवा के अनुसार निर्णय लिया जायेगा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक (ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट अक्षरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (i) टांसिल्व और/अथवा स्वर यंत्र (लरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा। (i) टांसिल्व और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा—योग्य।
- (ii) यदि आवाज में अप्रचिक कर्तव्यता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

- (vii) कान/नाक/गा (ई० एन० टा०) (i) हल्का ट्यूमर—अस्थायी। के हल्के अथवा अपने स्थान पर स्थाई रूप से अयोग्य। दुर्बल ट्यूमर।
- (ii) दुर्बल ट्यूमर अयोग्य श्रवण यंत्र की सहायता में या आपरेशन के बाद 30 डेसी बेल श्रवणता के अन्दर होने तक योग्य।
- (ix) आस्टोक्लरोसिस स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के लिये अयोग्य।
- (x) कान, नाक अथवा गले के जन्म- (i) यदि काम-काज में बाधक जात दोष। न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
- (xi) नेजल पोलिप अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।)

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फूलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसिल, बड़ी हुई बेरिक्कीसिल, बेरिकाज-शिरा (वेन) या बवासीर है या नहीं।

(ज) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी से निशान है। या नहीं। जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, उम्मीदवारों में नमी रूप में छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इसे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को चेतावनी दे जाती है कि उनका सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—चाहे बोर्ड विशेष हो या स्थायी हो—के वरद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है। किन्तु

फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर संतुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख से एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निर्णय संबंधी त्रुटि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक इसमें सम्बद्ध चिकित्सा व्यवसायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

मेडिकल बोर्ड और उसकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार को आयु और सेवा काल (यदि हों) के लिए उचित गृहादेश करना चाहिए।

2. किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (वांडिली इनफार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

3. यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डॉक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

5. डॉक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

6. ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताया जा सकते हैं। किन्तु डॉक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बतायी उनका विस्तृत व्याख्या नहीं दिया जा सकता।

7. ऐसे मामलों में जहाँ डॉक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को आयोग बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (अपेथ या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डॉक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में

उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डॉक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए वहाँ में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके पास लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें :—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जैसी जातिपों नागालैंड जन-जाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिसका अंशतः कद दूसरों से कम होता है “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर “हां” में हो तो उस जाति का नाम बनाविए।

4. (क) क्या आपको कभी चंचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरें रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लटके रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है?

5. आप को चंचक का टीका आखिरी बार कब लगा था?

6. क्या आप या आपका कोई निकट का संबंधी कभी कन्वल्प्शन सीरोफला गाउट, दमा, दौरे, अपस्मार या पागलपन का शिकार हुआ है?

7. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अनिद्रता (गर्दसनसे) हुई?

8. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यौरे दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उन की आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और स्वास्थ्य का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी भाईयों की आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने बच्चे जीवित हैं, उनकी बच्चियों की आयु और स्वास्थ्य की अवस्था
			आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और स्वास्थ्य का कारण	आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

9. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?
10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हो तो बताइए किस मेडा/किन संवाओं के लिए आपकी परीक्षा की है?
11. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?
12. कब और कहा मेडिकल बोर्ड हुआ?
13. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपका बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो-----

में गोपित करना है कि जहाँ तक मेरा विश्वास है।
उपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर----

मेरे सामने हस्ताक्षर किए--
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर--

नोट—उपयुक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति से बैठने का जोखिम लेगी और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएन्युएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेचूटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ----- (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा-----
बीच का ----- कम -----
पोषण : पतला ----- (ओसत) -----
मोटा ----- कद : (जूते उतारकर) -----
वजन ----- अत्युत्तम वजन ----- कब था? -----
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन -----
तापमान -----
छाती का घेरा -----

- (1) पूरा सांस खींचने पर -----
(2) पूरा सांस निकालने पर -----

2. त्वचा—कोई जाहिर बीमारी ।

3. नेत्र :

- (1) कोई बीमारी - - - - -
(2) रतौंधी - - - - -
(3) कलर विजन का दोष - - - - -
(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) - - - - -
(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) - - - - -
(6) फंडस की जांच - - - - -

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की पावर स्पी० मिलिएक्सल
दूर की नजर	दा ने बा ने		
पाम की नजर	दा ने० बा० ने०		
हाईपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	दा० ने० बा० ने०		

4. कान : निरीक्षण - - - - - सुनना
- - - - - बायां कान - - - - -

बायां - - - - -

5. ग्रंथियां - - - - - थाइराइड - - -

6. दांतों की हालत - - - - -

7. र्वसन तंत्र (रेस्पेराटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो पूरा ब्यौर दें - - - - -

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलटरी सिस्टम)

(क) हृदय कोई आंगिक विकृत आर्गेनिक लीजन)---

गति (स्टे) .

खड़े होने पर - - - - -

25 बार कुदाए जाने के बाद - - - - -

कुदाए जाने के 2 मिनट के बाद - - - - -

ब्लड प्रैसर - - - - - -सिस्टोलिक - -

डायस्टोलिक - - - - -

9. उदर (पेट) घेरा - - - - - -स्पर्श सहायता
हार्नियां - - - - -

(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर - - - - -

तिल्ली - - - - - -गुद--- - -

ट्यूमर - - - - -

(ख) स्कतार्श - - - - -

भगंदर - - - - -

10. तांत्रिका तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत - - - - -

11. ताल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) :

कोई अपसामान्यता - - - - -

12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटी यूरिनरी सिस्टम)---
हाइड्रोसेल, बैरिकोसील आदि का कोई संकेत :
मूत्र परीक्षा :---

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एल्ब्यूमिन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट्स

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय में गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के दक्ष, सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है।

स्थान - - - - -

तारीख - - - - -

अध्यक्ष - - - - -

सदस्य - - - - -

परिशिष्ट 1।।

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लाम अप्रेंटिस हेतु अप्रेंटिसशिप की शर्तें

अप्रेंटिसशिप की शर्तों का उल्लंघन इंडियन रेलवे एक्टिवि-लिजमेंट मैनुअल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा। इसका संक्षिप्त निम्न प्रकार है :—

1. स्पेशल क्लाम रेलवे अप्रेंटिस के रूप में नियुक्ति के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र में इस आशय का कगार करना होगा कि सरकार की मंजूरी के अन्तर्गत स्पेशल क्लाम रेलवे अप्रेंटिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परिवर्तनीय अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा ज धन पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिभू संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में दाय्य होंगे। सरकार को खर्च की राशि के तारों में निर्णय करने का एकमात्र अधिकार होगा।

अप्रेंटिस की शुरु में एक बार वार्षिक प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाध्यक अन्वय पत्र के अन्तर्गत लेना होगा कि यदि जल्द ही तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी। उनकी अप्रेंटिसशिप एक वर्ष बाद दूसरे वर्ष तभी जारी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उसमें संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रेंटिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रेंटिसशिप से अलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कौसे में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है।

2. अप्रेंटिसशिप को चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशॉप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लाम अप्रेंटिसों को इस अवधि के दौरान या तां काउंसिल

आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूट्स एज्जामिनेशन (लन्दन) का भाग 1 और भाग 2 इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) एज्जामिनेशन की एसोसिएट मम्बरशिप का मकशन 'ए' और 'बी' अवश्य पास करना चाहिए। अप्रेंटिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 350/- रु. प्र मा. छात्रवृत्ति तथा तीसरे वर्ष और चौथे वर्ष के दौरान 400/- रु. प्र मा. छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रेंटिसशिप के दौरान उम्मीदवारों को संवैधानिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल छ. मिनस्टर परीक्षाएँ होंगी जिनमें प्रत्येक का उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उनके निष्पादन को दक्षते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अगले निचले बेंच में चले जाने को या अप्रेंटिसशिप से हट जाने को कहा जाएगा।

टिप्पणी—निवास जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अनधीनता अत्यंत या अन्य कदाचार का बोझ पाया जाता है, या कोई कारण भंग कर दिया जाता है, अप्रेंटिसशिप से हटाने के लिए एक मज्ताह का नॉटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण का चौथा वर्ष पूरा होने में पहले अप्रेंटिसों की एक लचीली नई परीक्षा या अप्रेंटिसशिप की अवधि के दौरान प्राण रिपोर्ट के आधार पर योग्यता क्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रेंटिस यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

ध्यान दें—किसी भी प्रशिक्षु को अहंकार स्तर की योग्यता में सक्षम नहीं माना जाएगा जब उसको प्रशिक्षण की छह मिनस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित गयी परीक्षाओं में उसका कम गिनती कर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व दैर्घ्य इंजीनियरी मर्यादा, जमानपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेदनो में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह मिनस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षुओं को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उनकी प्रशिक्षुता असफल रही, प्रशिक्षुता से निवर्तित कर दिया जाएगा।

5. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष सभ्यतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट में नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रेंटिसों को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट 4 में दिए गए हैं।

परिशिष्ट 4

यांत्रिकी इंजीनियरी का भारतीय रेलवे सेवा से संबंधित विवरण

1. परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के रूप में नियुक्ति और वेतन का आरम्भ (क) अप्रेंटिसशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ख) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख में जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उन रेलवे वक्ताम अप्रेंटिसज को, जो अपने अप्रेंटिसशिप के 4 वर्ष के भीतर ए. एम. आर्ट. ई. (लन्दन) के भाग 1 और 2 ए. एम. आर्ट. ई. (इंडिया) के भाग ए और वी. परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट - (1) परीक्षकों को सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक वेतन वृद्धिवा स्वीकृत करने के दारों में तब ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के संबंध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी ओर से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परीक्षकों की सेवा समाप्त की जा सकती है।

2. परीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनकी एक या अनेक भारतीय रेलवे क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय-समय पर मंजूर भी हो सकती है। परीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालयों में या इजी-नियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की दस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दश के बाद अभियंता और जिस रेलवे में परीक्षित की नियुक्ति होती है, यहां के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी जिसमें अर्हता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परीक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महा-विद्यालय, वडाई में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें दो बार बैठने की अनुमति सामान्य नहीं दी जाएगी जब तक कुछ आपवादिक परिस्थितियां न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छुट को उपयुक्त प्रमाणित न करे। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हों उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परीक्षा अवधि गथावश्यक बढ़ा दी जाएगी। परीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसके विषय होंगे—लेखा और प्राक्कलन, सामान्य और आनुवंशिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपत्ति अधिनियम, श्रमिकों में काम कराने का कंडल तथा परीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को माँपे गए कार्य घर कार्यों में उनकी अनुपस्थिति। उनको इस विभागीय परीक्षा में परीक्षा के दूसरे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वेतन-वृद्धि रुकवा दी जाती है। निश्चित अवधि के अन्दर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस दश में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बड़ाई गई परीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पड़ती और उसके बाद की वेतन-वृद्धि की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित नियमों और आदेशों अनुसार नियमित होती। उस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है।

जब तक कि कुछ आपवादिक परिस्थितियां न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य लेख कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छुट उपयुक्त मालूम पड़े।

ध्यान दें - सरकार, अपने निर्णय से, किसी भी कार्य भारी पद को प्रशिक्षण अवधि और परीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परीक्षा की सम्स्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निदेशक, दिल्ली के द्वारा आयोजित हिन्दी विषय या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समकक्ष परीक्षा हो सकती।

जब तक कोई परीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसकी वेतन सामयिक वेतनमान में रु. 780 00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। को छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन 1965 के बाद की परीक्षा के आधार पर यांत्रिक इजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति जिन्नी भी व्यक्ति को, अधीक्षण होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को —

(क) परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

(क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और

(ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे :—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं, लागू है।

7. परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतन-वृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी। वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में उल्लिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू हैं, अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9 सामान्यन अधिकारी परी सेवा के लिए, उसी रेल से लग रहेंगे जहां उनकी पहली नियुक्ति होती है, और किमी दूसरे रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार का यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दरें प्रस्तावित हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान रु० 700-40-900 द० रो०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान रु० 1100 (छटा दर या कम) 50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु० 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (i) रु० 2250-125/2-2500

(ii) रु० 1500-125/2-2750

टिप्पणी 1. परिवीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यावधि की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका वेतन 740 00 रु प्र.मा से 780.00 रु प्र.मा तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2. यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों और परिवीक्षा का अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं तो रु 740 00 से रु 780 00 तक वृद्धि रुक दी जाएगी जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख को अंतिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतन वृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतनवृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति स्वीकृत स्थापना में रिक्तिता होने पर ही होती है और पूरी तरह सचन पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 3rd January 1984

No 1-Pres/84—Corrigendum—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 22-Pres/72, dated the 20th January, 1972, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 10th February 1972; relating to the award of the BAR TO MAHA VIR CHAKRA—

At page 1

Serial No 1 Brigadier ARUN SHRIDHAR VAIDYA, MA AVSM, (IC-1701)

In line 8 of the Citation

For the word 'Dehira'

Read the word 'Dehira'

S NILAKANTAN, Dy. Secy.
to the President

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi, the 2nd January 1984

ORDER

No 27/26/83-CL.II.—In pursuance of Clause (ii) of sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorises Shri V. S. Rao, Deputy Director (Inspection) in the Department of Company Affairs for the purposes of the said section 209-A

K R A N Iyer, Under Secy

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

DEPTT. OF EDUCATION

New Delhi, the 1st December 1983

RESOLUTION

SUB.—*Reconstitution of the Taraqqi-E-Urdu Board*

No F 15-19/81-D III(L)—1 The Taraqqi-E-Urdu Board was set up as Central Board in 1969 by Government Resolution No F 6 41/69-IF II The Board was reconstituted into a Standing Central Advisory Board by Government Resolution No F 15-46/73-L I dated the 3rd January, 1974 On the analogy of other Educational Institutions the Board was again reconstituted as Standing Central Advisory Board vide Resolution No F 15-43/77-D III(L), dated 10th November, 1978 in supersession of the resolutions mentioned above An amendment was also made in the composition of the Board vide Resolution No F 15-13/80-D III(L), dated 19th August, 1983 In the light of the various changes in the composition of the Board, the Government do hereby reconstitute the Board in supersession of all the four resolutions as stated above The Board will continue to be called the Taraqqi-E-Urdu Board

2 *Objectives* Since economic or special progress requires that knowledge in the modern sense of the term be made available to people in the language they speak at home, the Board would be required to advise the Government on the best manner of making available in Urdu to the Urdu knowing public knowledge of scientific and technological matters as well as knowledge of ideas evolved in the modern context

The Board will, inter alia include among its members eminent Urdu knowing scholars Advantage of their presence on the Board will be taken by Government to obtain the Board's advice on such educational matters as may be referred to it.

3. *Functions*: The functions of the Board will be :—

(a) to advise Government on :

- (i) production of academic literature as well as other types of literature in Urdu, including books on science and other branches of modern knowledge children's literature; reference works encyclopaedias, basic texts, etc; and
- (ii) such educational matters, concerning the promotion of Urdu as may be referred to it; and

(b) to undertake such other functions for the promotion of Urdu as may be assigned to it by Government from time to time.

4. *Composition*: The Taraqqi Urdu Board shall consist of the following :—

- (i) Chairman : Union Education Minister, Ministry of Education & Culture Ex-Officio
- (ii) Vice-Chairman : To be nominated by Government of India.
- (iii) Six Urdu scholars from different subject faculties.
- (iv) Two scholars from Urdu language and literature.
- (v) One scholar from Urdu literature for children.
- (vi) Nominee of Chairman, University Grants Commission.
- (vii) Director, National Council of Educational Research and Training.
- (viii) Chairman, CSTT.
- (ix) Nominee of Director General, Council of Scientific and Industrial Research (not below the rank of Deputy Secretary)
- (x) Director, Central Institute of Indian Languages, Director, Central Hindi Directorate
Director, Kendriya Hindi Sansthan, Agra, and
Director, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Delhi.
Director, Central Institute of English and Foreign Languages, Hyderabad.
- (xi) Two representatives of the State Govts. from States where Urdu is spoken by a substantial number of persons, the States to be chosen by the Government of India by rotation
- (xii) Education Secretary, Ministry of Education & Culture
- (xiii) Special Secretary, (Higher Education), Ministry of Education & Culture
- (xiv) Financial Adviser, Ministry of Education & Culture.
- (xv) Director, Bureau for Promotion of Urdu—Member Secretary.

The tenure of the members of the Board shall be two years.

The Vice-Chairman and the members of the Board shall be nominated by the Government

The Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology, Director, National Council of Educational Research and Training, Nominee of Chairman, University Grants Commission, Director, Central Institute of Indian Languages, Director, Central Hindi Directorate, Director, Kendriya Hindi Sansthan, Director, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Director, Central Institute of English and Foreign Languages, Hyderabad, and the nominee of Director General, Council of Scientific and Industrial Research will be members of the Board *ex-officio*.

The *ex-officio* members shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Board.

Director, Bureau for Promotion of Urdu will be the members Secretary of the Board.

If a vacancy arises on the Board due to resignation, death, etc. of a member of the Board, the member appointed in that

vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of two years.

5. *Meetings*: The Board shall meet not less than once in a year. Meetings may, however, be conveyed at any time as may be deemed necessary

6. *Secretaries*: The Bureau for Promotion of Urdu shall function as the secretariat of the Board.

6. *Secretariat*: The Bureau of Promotion of Urdu shall Board shall have powers to constitute subject Panels, Working Groups/Sub-Committees, as necessary, in connection with the discharge of its functions

8. *Standing Committee*: The Board may, by resolution, constitute a Standing Committee, headed by the Chairman of the Board with a view to expeditious discharge of its functions. The members of the Standing Committee shall be drawn from among the members of the Board. However, the Board and the Committee shall have the power to coopt the experts to fulfil specific needs.

The Standing Committee will meet as often as may be specified by the Board

ORDER

Ordered that copies of the Resolution be communicated to all members of the Taraqqi-Urdu Board; Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology Chairman, University Grants Commission, Director General, Council of Scientific and Industrial Research, Directors, Central Institute of Indian Languages, Central Hindi Directorate, Kendriya Hindi Sansthan, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Central Institute of English and Foreign Languages, National Council of Educational Research and Training, All Vice-Chancellors; Prime Minister's Office; Department of Parliamentary Affairs; Lok Sabha Secretariat; Rajya Sabha Secretariat; Planning Commission, President's Secretariat and Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for information

R. K. SHARMA,
Jt. Educational Adviser to the
Government of India

(DEPARTMENT OF CULTURE)

New Delhi, the 29th December 1983

No. F 1-10/83-CH.Desk.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the National Council of Science Museums.

No. F. 1-10/83-CH.Desk.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 8 of the Provident Funds Act 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act the name of the following public institution namely :—

"The National Council of Science Museums".

ABUL HASAN
Dy Educational Adviser

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110 011, the 22nd December 1983

F No. 23/11/83-EE.—In supersession of this office notification No. 23/8/81.EE, dt. 13-12-82, it is hereby notified that the Archaeological Museum located in the annexe of the Church of St. Francis de Assisi (a centrally protected monument) at Velha Goa reopens to the public with effect from 1-1-1984 onwards.

D. MITRA,
Director General & *Ex-officio* Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 21st January, 1984

No. 83/E(GR)/1/7.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1984 for selection of candidates for appointment as 'Special Class Apprentices' in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission

4 A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1984, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1964; and not later than 1st January, 1968.

(b) The upper age limit prescribe above will the relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1951 and 25th March, 1971;

- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement October, 1964;

- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

- (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (x) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975; and

(xi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) or also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia

(xiv) up to a maximum of five years in case of ex-service men and Commissioned Officers including FCOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1984, and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1984) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment

(xv) up to a maximum of ten years in case of ex-service men and Commissioned Officers including FCOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1984 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1984) (otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes

(xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973;

(xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March 1973

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

6 A candidate—

(a) must have passed in the first or second division, the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

(b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10+2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination, or

(c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination or the pre-University or equivalent examination in the first or second Division.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year examination is conducted by a University; or

(d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University; approved by the Government of India; or

(e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage, or

(f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University; provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a university, or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 17th August, 1984.

NOTE IV.—Candidates who held Diploma in Engineering treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE IV.—Candidates who held Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining supports for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

- (ii) taking the representation if any, submitted by the candidate within the period allowed to him, into consideration

12 Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for the Personality Test

Provided that candidates belonging to the Scheduled Caste or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard recommended by the Commission by a relaxed

13 After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination

Provided that candidates belonging to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Caste and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination

14 The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result

15 Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railway Service

16 A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 (Rupees sixteen only) to the Medical Board concerned at the time of the medical examination

NOTE—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given, in

Appendix II to these Rules. For the disabled ex Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service

17 No person—

- (a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule

18 Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV

A JOHRI
Secy Railway Board

APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subjects as shown below

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 (Vide Rule 12)

2 The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows:—

Sl No	Subject	Code No	Time Allowed	Maximum Mark
1	English	01	2 Hours	100
2	General Knowledge	02	2 Hours	100
3	Physics	03	2 Hours	100
4	Chemistry	04	2 Hours	100
5	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6	Mathematics II (Calculus—Differential and Integral and Mechanics (Statics and Dynamics))	06	2 Hours	100
7	Psychological Test	07	1 Hour	100
Total				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE II).

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

ENGLISH (Code No. 01)—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society the standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods. Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plants, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons, Climate. Weather, Soil—its formation, erosion. Forest and their uses, Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions). Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves; Sanchi, Mathura and Gandharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Elora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—Democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of government. Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system: the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition, social control—reward and punishment, art, law, custom, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare, welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

PHYSICS (Code No. 03)

Length measurements using vernier, screw, gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force; couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force; Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion. Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat; thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse ways. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms, deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential: Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and Voltmeters; Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge. Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom, Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY (Code No. 04)

Physical Chemistry

1. Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle s, p, d and f block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding. Electro-valent covalent. Coordinate covalent bonds, Bond Properties and bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction: Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecular weight. First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions: True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depression of freezing point. osmotic Pressure. Raoult's law (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry: Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis ionic equilibria, Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronstead's concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity: Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds:

1. Hydrogen: Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum

5. Group IV Elements, (Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolitis semi-conductors. Glass (Elementary treatment).

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of Sulphur.

8. Group VII Elements, Manufacture and uses of Fluorine chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals : Nickel and manganese steels

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon Hybridisation and σ bonds and their relative strength. Single and multiple bonds Shapes of molecules, Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining - Its use as fuel

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform, Carbon Tetrachloride. Chlorobenzene D.D.T. and DDT. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols Methanol Ethanol Glycerol and Phenol Substitution reactions at aliphatic carbon atom.

5. Ethers : Diethyl ether.

6. Aldehydes and Ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds Azodyes.

8. Carboxylic acid : Formic, acetic, benzoic and salicylic, acids acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Tejlon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Fats and lipids. amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

MATHEMATICS I (Code No. 05)

Algebra

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and Composite numbers. Multiples and factors, Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients. Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutations and Combinations. Binomial Theorem for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y = a + bx + cx^2$ for given values of y at x^1, x^2 and x^3 .

Simultaneous linear inequations (in two unknowns) and their graphs 2×2 Matrices and elementary operations Identity matrix Inverse of a matrix Determinants of order not exceeding 3

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(Practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied if necessary.)

Trigonometry

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree Angle between two lines, Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

MATHEMATICS II (Code No. 06)

Calculus (Differential and Integral)

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible)

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces. Composition and resolution of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

5—421GI/83

APPENDIX II

REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) however, the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower,

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted

N B—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) General—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The Candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	J-I	J-II

NOTE : (1)

- Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed $-4.00D$.
- Total Hypermetropia, (including the cylinder) shall not exceed $+4.00D$.
- In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's, Green lantern shall be used for testing colour vision

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of the aperture	13 mm	13 mm
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)**Night Blindness :**

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests *e.g.* recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)**Ocular conditions other than visual acuity :**

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) *Squint*.—The presence of binocular vision is essential. Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One eyed person*.—One eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)**Contact Lenses :**

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate

whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled, fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

(i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type Any unhealed Perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.

(iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(v) Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.

(vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit.

(vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.

(i) Hoarseness of voice of severe degree present then—Temporarily unfit.

(viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(ix) Otosclerosis

(x) Congenital defects of ear, nose or throat.

(xi) Nasal Poly

(i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant tumours—Unfit.

Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

Temporarily Unfit.

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he/she is not raptured;

(g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;

(h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;

(i) that he/she does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before

them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical board.

Medical Board and their report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, as bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future, as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....
.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place

.....
.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

4. (a) Have you ever had small pox, Intermittent or any, other fever, enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis ?

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

5. When were you last vaccinated ?

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption serofula gout, asthma, fits, epilepsy or insanity ?

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	--	--

Mother's age if living and State of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	---

9. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....

10. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for ?

.....

11. Who was the examining authority ?

.....

12. When and where was the Medical Board held ?

.....

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....
Signed in my presence.....
Signature of Chairman of the Board

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General Development : Good.....
Fair..... Poor.....
Nutrition : Thin.....average.....
.....obese.....
Height (without shoes)
weight Best Weight
When ? Any recent change
in weight ?
Temperature
.....
.....

Girth of Chest :—

(1) After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease
(2) Night blindness
(3) Defect in colour vision
(4) Field of vision
(5) Visual Acuity
(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked with eye glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.			
Near vision	R.E. L.E.			
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.			

4. Ears : Inspection.....Hearing.....
Right Ear Left Ear

5. GlandsThyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs

.....
.....

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : any organic lesions

Rate : Standing.....
.....After hopping 25 times
.....2 minutes after hopping

Blood pressure :

Diastolic : : Systolic :

9. Abdomen Girth..... Tenderness.....
.....Hernia.....

(a) Palpable : Liver.....
Spleen Kidneys.. ..
Tumours.....

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any Abnormality.....
.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele. Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance
(b) Sp. Gr.
(c) Albumen
(d) Sugar
(e) Casts
(f) Cells

13 Report of X-ray examination of Chest.

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?

NOTE :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. For which service has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

APPENDIX III

Conditions of Apprenticeship for Special Class

Apprentices Selected through the Examination

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set-out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Apprentice shall execute an agreement in the prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him, to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE :—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to set for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE :—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE :—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examinations of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examinations he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later;

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationers may be terminated on three months notice on either side.

2 During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent

3. During the probationary period, they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examinations within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made

NOTE—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4 Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEFN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers—

(a) will be eligible to pensionary benefits, and

(b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund;

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 3 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix

8 Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (t6h year or under)—50—1,600—
Junior Administrative Grade : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000/-.

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500,
(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment

from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

